SANKALP
Empowering Dreams, Building Future

SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI

मासिक
समाचार पत्र

अक्टूबर
2025

Monthly Newsletter

इस माह हमारी पहूँच

आदर्श बाल ग्राम

सीख

कुल बच्चे 11,805

सृजन

कुल बच्चे 6,817

गरिमा

कुल बच्चे 5,768

फेलोशिप

कुल फेलो 135

कुल शिक्षक 846

सेंटर फुंडा में 'विजयादशमी उत्सव' का भव्य आयोजन:

बच्चों ने सीखी सत्य और धैर्य की महत्ता

सेंटर फुंडा में हाल ही में विजयादशमी (दशहरा) का पर्व अत्यंत उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया, जिसमें संस्था के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह आयोजन न केवल एक उत्सव था, बल्कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का एक सफल प्रयास भी था।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव

इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय त्योहारों के वास्तविक अर्थ और महत्व से अवगत कराना था। बच्चों को विजयादशमी की कथा विस्तार से सुनाई गई—कैसे भगवान राम ने असत्य पर सत्य की जीत के रूप में रावण का वध किया। इस कथा के माध्यम से उन्हें जीवन के दो अनमोल सिद्धांतों से परिचित कराया गया:

- **सत्य की हमेशा जीत :** बच्चों ने समझा कि जीवन में परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, सत्य और ईमानदारी के मार्ग पर चलना ही अंततः सफलता और सम्मान दिलाता है।
- **धैर्य की शक्ति :** उन्हें यह भी सिखाया गया कि भगवान राम को भी विजय प्राप्त करने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा, जिससे यह प्रेरणा मिली कि जीवन में बड़े लक्ष्यों को पाने के लिए धैर्य (Patience) रखना और लगातार प्रयास करते रहना कितना आवश्यक है।

प्रेरणास्रोत: एक बेहतर कल की नींव

बच्चों ने राम, सीता और हनुमान के पात्रों को मंच पर प्रस्तुत किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना विकसित हुई। ऐसे आयोजन सेंटर फुंडा की दूरदर्शिता को दर्शाते हैं। यह संस्था मानती है कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक शिक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

यह उत्सव अन्य सभी बच्चों के लिए एक जीवंत उदाहरण है कि हमारी संस्कृति हर कहानी और हर त्योहार में जीवन जीने की कला सिखाती है। इस कार्यक्रम ने बच्चों के मन में सकारात्मकता, नैतिक बल और धैर्यवान व्यक्तित्व की नींव रखी है, जो उन्हें भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगी।

ABG Fellows का दो-दिवसीय 'संकल्प' ओरिएंटेशन सफलतापूर्वक संपन्न

स्थान उतई- दुर्ग
दिनांक: 3,4 अक्टूबर

संकल्प एक प्रयास के तहत Aadarsh Baal Gram (ABG) Fellows के पहले बैच के लिए 3 और 4 अक्टूबर को एक दो-दिवसीय महत्वपूर्ण ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए Fellows को संगठन के दृष्टिकोण, इतिहास और आगामी लक्ष्यों से गहराई से परिचित कराना था।

संगठन की नींव और प्रगति पर चर्चा

ओरिएंटेशन के दौरान, सभी Fellows को Sankalp और Aadarsh Baal Gram (ABG) के मूल अवधारणा की इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें संकल्प एक प्रयास (SEP) के तहत उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और पिछले दो वर्षों की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही, भविष्य के लक्ष्यों (Goals) और संगठन की कार्यप्रणाली में मौजूद अंतराल (Gaps) पर भी गहन चर्चा हुई, ताकि आगे की रणनीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

व्यावहारिक प्रशिक्षण और फीडबैक सत्र

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ग्रुप एक्टिविटी रही। Fellows ने समूहों में काम करते हुए ABG indicators के अनुसार विस्तृत योजनाएँ तैयार की। उन्होंने ज़मीनी स्तर पर काम करने के लिए आवश्यक Standard Operating Procedures (SOPs) और विस्तृत Checklist भी बनाई और उन्हें एक प्रस्तुति (Presentation) के माध्यम से साझा किया।
इस सत्र में सभी Fellows को एक-दूसरे से मूल्यवान प्रतिक्रिया (Valuable Feedback) मिली, जिसने सामूहिक समझ और कार्यकुशलता को बढ़ाने का काम किया।

कार्यक्रम संचालन

इस दो-दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम को Program Manager अभिषेक सर, Coordinator वंदना मैम और खुशबू मैम ने उत्कृष्ट ढंग से संचालित किया। उनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम न केवल जानकारीपूर्ण, बल्कि ABG Fellows के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और सीख से भरा रहा, जो उन्हें अपने क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

धमतरी जिला फ़ेलो द्वारा सिलीडीह में किशोरी बालिकाओं और महिलाओं को किया गया जागरूक,

'संकल्प एक प्रयास' संस्था का भी परिचय

धमतरी। 4 अक्टूबर 2025 को धमतरी जिले के ग्राम सिलीडीह में प्रथम बैच के जिला फेलो द्वारा किशोरी बालिकाओं और महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें स्वास्थ्य, पोषण, और व्यक्तिगत विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर शिक्षित करना था।

कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 200 बालिकाएं, 50 महिलाएं और 30 पुरुष को संबोधित करते हुए, फेलो ने निम्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी:

- **स्वास्थ्य एवं पोषण :** बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित पोषण के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जिससे वे एक स्वस्थ जीवन शैली अपना सकें।

- **दिनचर्या का प्रबंधन :** अपनी दैनिक दिनचर्या को प्रभावी ढंग से कैसे व्यवस्थित करें, जिससे अधिकतम उत्पादकता प्राप्त हो सके, इस विषय पर व्यावहारिक सुझाव दिए गए।

- **समय का सदुपयोग :** समय के महत्व को समझते हुए, उसे सही कार्यों में कैसे उपयोग किया जाए, इस बारे में मार्गदर्शन किया गया।

- **शिक्षा पर ध्यान :** शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए, बालिकाओं को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

- **सुरक्षा और हेल्पलाइन :** बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण गर्ल्स हेल्पलाइन नंबर 181 और 1091 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।
- **मासिक धर्म स्वच्छता :** महिलाओं और बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के सही तरीकों और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में शिक्षित किया गया।

इस अवसर पर, फेलो को मंच से 'संकल्प एक प्रयास' संस्था का भी परिचय देने का मौका मिला, जो समाज में शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्यरत है।
इस सार्थक प्रयास को सफल बनाने में धमतरी जिले की सभी फेलो - नीलम, कविता, हर्षलता, कोमेश्वरी, मनिका और कुलेश्वरी - शामिल रहीं। इस पहल से सिलीडीह की किशोरी बालिकाओं और महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और वे अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित हुई हैं।

धमतरी: कोर्रा ग्राम में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के तहत मेगा जागरूकता कार्यक्रम

कोर्रा/धमतरी, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के ग्राम कोर्रा में महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत एक भव्य मेगा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पोषण माह 2025 और अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के उद्देश्यों पर केंद्रित था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और किशोरियों में पोषण, स्वास्थ्य और बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में लगभग 200 महिलाएं, 7 किशोरी बालिकाएं, और 7 पुरुष समेत स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम में पारंपरिक रस्मों और पोषण संबंधी गतिविधियों का समन्वय किया गया:

- **गोद भराई और अन्नप्राशन :** कई गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक रूप से गोद भराई की गई, उन्हें सही पोषण का संदेश दिया गया। साथ ही, छोटे शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न हुआ, जिसके माध्यम से पूरक आहार की शुरुआत के महत्व को समझाया गया।

- **पोषण त्यौहार:** आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने 'पोषण त्यौहार' मनाया, जिसमें रेडी टू ईट सामग्री से बने पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके अलावा, स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण 36 प्रकार की भाजियाँ भी प्रदर्शित की गई, जिसने स्थानीय पौष्टिक आहार की महत्ता को उजागर किया।

- **मासिक धर्म स्वच्छता पर जानकारी :** सामाजिक संस्था 'संकल्प एक प्रयास' की फील्ड कोऑर्डिनेटर खुशबू मैम और उनकी टीम ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता (Menstrual Hygiene) संबंधित आवश्यक और महत्त्वपूर्ण जानकारी दी।

- **सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ:** आंगनबाड़ी के बच्चों ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए, वहीं स्कूली छात्रों ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

विशिष्टजनों की गरिमामयी उपस्थिति

जनपद अध्यक्ष श्रीमती जीतेश्वरी जी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इनके साथ महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती भारती बैस, एमटी मितानिन कालंद्री जी, बिहार समूह की ट्रेनर चंद्रिका साहू, प्रयोजन अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय पोषण अधिकारी, और आंगनवाड़ी सुपरवाइजर कार्यकर्ता मैम भी मौजूद थीं। गांव के सरपंच और 'संकल्प एक प्रयास' संस्था की फील्ड कोऑर्डिनेटर खुशबू मैम व टीम ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया।यह सफल आयोजन स्थानीय समुदाय में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

गणित बना 'खेल', कठिन अवधारणाएँ हुई सरल:

'आविष्कार' सत्र में नवाचार का सफल प्रयास

9-10 अक्टूबर: सृजन बैच-2 के फेलोज़ ने गतिविधि-आधारित शिक्षण (ABL) से गणित को रोचक और सुलभ बनाने का मंत्र सीखा

दुर्ग /उतई। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की एक नई किरण के रूप में, सृजन बैच-2 के 23 फेलोज़ के लिए 'आविष्कार' (Aavishkar) का दो दिवसीय ऑनलाइन सत्र 9 और 10 अक्टूबर को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6वीं से 8वीं तक के छात्रों के लिए गणित के कठिन विषयों को गतिविधि-आधारित शिक्षण (Activity-Based Learning) के माध्यम से न सिर्फ रोचक बनाना था, बल्कि उन्हें व्यावहारिक और सुलभ बनाना भी था। यह पहल गणित शिक्षण को प्रभावी, आकर्षक और आनंदमय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

सत्र 1: खेल-खेल में गणित - अवधारणाओं को सरल बनाने की पहल

पहले सत्र में, फेलोज़ को चार प्रमुख गणितीय खेलों का गहन प्रशिक्षण दिया गया, जो केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि गणितीय अवधारणाओं को सहजता से समझाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे।

- **1. मेल का खेल गुणा (Multiplication) :** गुणा की जटिल अवधारणा को इस खेल के माध्यम से सरल तरीके से समझाया गया, जिससे छात्रों में विषय के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित हो सके।
- **2. गेस माई नंबर (Logical Thinking & Number Sense) :** यह खेल तार्किक चिंतन और संख्याओं की समझ को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। फेलोज़ ने सीखा कि छात्रों को कम से कम प्रयासों में संख्या का अनुमान लगाने की रणनीति कैसे विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाए।
- **3. उड़ते सितारे (Mental Math) :** इस गतिविधि ने छात्रों को एक टीम में काम करने और मानसिक गणित कौशल को मजबूत करने की तकनीक सिखाई।
- **4. कट्टमपुट्टी (Addition & Patterns) :** पारंपरिक खेलों को जोड़ और पैटर्न जैसी गणितीय अवधारणाओं से जोड़कर सीखने का एक अनोखा और प्रेरणादायक तरीका साझा किया गया।

सत्र 2: गणित चर्चा - गहन वैचारिक मंथन

दूसरे सत्र, 'गणित चर्चा' में विभिन्न महत्वपूर्ण गणितीय विषयों पर गहन विमर्श हुआ। इसका फोकस सैद्धांतिक समझ और विषयों की गहरी संकल्पनाओं को विकसित करने पर था:

- **बिंदु चर्चा (Geometry) :** ज्यामिति के मूलभूत तत्व, बिंदु की अवधारणा और उसके अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा हुई।
- **संख्या चर्चा (Number System) :** संख्या प्रणाली के विकास, विभिन्न प्रकार की संख्याओं और उनके शैक्षणिक विश्लेषण पर प्रकाश डाला गया, जिससे फेलोज़ की विषय-वस्तु पर पकड़ मजबूत हुई।
- **क्षेत्रफल चर्चा (Area & Perimeter) :** फेलोज़ को क्षेत्रफल और परिमाप जैसी अवधारणाओं को रटने के बजाय, उसे समझने और वास्तविक जीवन से जोड़ने की प्रभावी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

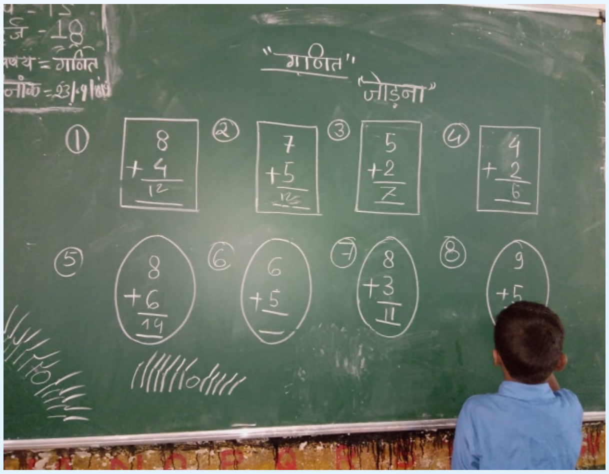

सामूहिक सहभागिता:
टीमवर्क की उत्कृष्ट मिसाल

ऑनलाइन सत्र होने के बावजूद, फेलोज़ ने सामूहिक भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। नवाचार को जमीन तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, बेमेतरा में 6 फेलोज़, धमतरी, राजनांदगांव, और बालोद में भी समूह बनाकर, किसी एक साथी के घर पर एक साथ सत्र में शामिल हुए। पाटन की एक फेलो ने भी अपने घर से उत्साहपूर्वक सहभागिता की। फेलोज़ की यह सामूहिक उपस्थिति टीमवर्क और सहयोग (Collaboration) की भावना को मजबूत करती है, जो शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह पहल दर्शाती है कि सामूहिक प्रयास से शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है।

साफ़ हाथ, स्वस्थ जीवन:
“ग्लोबल हैंडवॉश डे “ पर ' संकल्प एक प्रयास' की अनूठी पहल

उतई – मोरिद [तारीख - 15अक्टूबर 2025] हर साल 15 अक्टूबर को मनाए जाने वाले ग्लोबल हैंडवॉश डे के महत्व को ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर तक पहुँचाने के लिए, 'संकल्प एक प्रयास' संस्था ने इस दिन को एक बड़े जागरूकता अभियान में बदल दिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हाथ धोने के महत्व और सफाई की बुनियादी जानकारी को सरल और प्रभावी तरीके से हर व्यक्ति तक पहुँचाना था।

सीखने का नया तरीका: वीडियो और वास्तविक अनुभव

यह मानते हुए कि 'जो हम देखते हैं, उसे जल्दी सीखते हैं', संस्था की मीडिया टीम ने बच्चों के साथ मिलकर एक ख़ास वीडियो तैयार किया। इस वीडियो की सबसे बड़ी ख़ूबी यह थी कि इसमें हाथ धोने के सही स्टेप्स को केवल दिखाया नहीं गया, बल्कि बच्चों को वास्तविक गतिविधि (Real Life Activity) के माध्यम से अभ्यास कराया गया। इस तरीके से बच्चों ने खेल-खेल में और स्वयं अनुभव करके सीखा कि हाथों को ठीक से कैसे धोना चाहिए।

कार्यक्रम प्रबंधक अभिषेक सर के मार्गदर्शन में तैयार किया गया, जिसका स्पष्ट उद्देश्य था: हर बच्चे और व्यक्ति तक यह संदेश पहुँचाना कि हाथ धोना स्वास्थ्य की सुरक्षा का सबसे आसान और सस्ता उपाय है।

संदेश केवल सुना नहीं, अपनाया गया

वीडियो तैयार होने के बाद इसे सभी केंद्रों पर शिक्षिकाओं के माध्यम से तुरंत भेजा गया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि संदेश को केवल देखने तक सीमित नहीं रखा गया; वीडियो देखने के ठीक बाद बच्चों से उसी समय हाथ धोने का अभ्यास (Practice) करवाया गया।

शिक्षिकाओं ने सुनिश्चित किया कि बच्चे 'केवल एक दिन का ज्ञान' न लें, बल्कि इसे अपनी रोज़मर्रा की आदत बना लें। इस पहल से यह संदेश बच्चों के मन में मजबूती से बैठ गया।

एक बड़ी ग़लती, बड़ा ख़तरा

अक्सर लोग यह गलती करते हैं कि वे खाना खाने या किसी भी वस्तु को छूने से पहले हाथ नहीं धोते, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके हाथ पहले से ही साफ हैं। संस्था ने इस गलत धारणा पर ज़ोर दिया। यह बताया गया कि हाथों पर दिखने वाला साफ़पन ही वास्तविक स्वच्छता नहीं होता, और कीटाणु (Germs) न दिखने पर भी मौजूद हो सकते हैं।

इस पहल के माध्यम से बच्चों और बड़ों — दोनों को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है: "हैंडवॉश केवल एक दिन का नहीं, रोज़ की आदत बननी चाहिए।"

यह जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हर व्यक्ति को प्रेरित करता है कि वे इस सरल आदत को अपनाकर अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की सुरक्षा करें।

हमारा संकल्प है: "साफ हाथ, स्वस्थ जीवन।"

स्वास्थ्य विभाग एवं 'संकल्प एक प्रयास' के संयुक्त तत्वावधान में देवगहन (बालोद) में स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

बालोद (छत्तीसगढ़), 27 अक्टूबर, 2025 — छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संस्था 'संकल्प एक प्रयास' के संयुक्त तत्वावधान में, दिनांक 17 अक्टूबर, 2025 को बालोद जिले के ग्राम पंचायत देवगहन में एक दिवसीय स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया।

प्रमुख उद्देश्य एवं गतिविधियां:

शिविर का मुख्य लक्ष्य किशोर स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन किया गया:

- **एनीमिया जाँच एवं निवारण :** किशोरों में हीमोग्लोबिन स्तर की जाँच की गई। जाँच किए गए बच्चों में से 5 एनीमिक पाए गए, जिनके लिए तत्काल फॉलो-अप प्रोटोकॉल सक्रिय किया गया है।
- **जागरूकता सत्र :** माहवारी स्वच्छता, पौष्टिक आहार के महत्व तथा एनीमिया के कारणों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए।
- **जन स्वास्थ्य संदेश :** जन जागरूकता के तहत नशा मुक्ति पर चर्चा की गई और ग्लोबल हैंड वॉश डे के उपलक्ष्य में सही हैंड वॉशिंग तकनीक का प्रदर्शन किया गया।

लाभार्थी संख्या

शिविर में कुल 97 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं एवं जागरूकता सत्रों का लाभ प्राप्त हुआ।

वर्ग	संख्या
विद्यार्थी	४७
समुदाय के सदस्य	५०
कुल लाभार्थी	९७

चुनौतियों पर विजय:

आयोजन टीम ने सीमित संसाधनों, जिसमें डॉक्टरों और बजट का अभाव शामिल था, के बावजूद सफलतापूर्वक कार्य किया। 'संकल्प एक प्रयास' टीम ने 'जीरो बजट' दृष्टिकोण अपनाते हुए, संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से एक सफल आयोजन सुनिश्चित किया।

भविष्य की रणनीति:

'संकल्प एक प्रयास' ने जिले में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने और बालोद को एनीमिया मुक्त बनाने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ, भविष्य में भी चिन्हित स्कूलों में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का संकल्प लिया है।

संकल्प एक प्रयास के LRCs में 'उमंग और उत्साह' से मनाई गई दीपावली

'संकल्प एक प्रयास' के लर्निंग रिसोर्स सेंटर्स (LRCs) में इस वर्ष दीपावली का पर्व अभूतपूर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। यह केवल एक त्योहार नहीं था, बल्कि बच्चों को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति से जोड़ने और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने का एक सफल प्रयास था। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि ये बच्चे न केवल शिक्षा में आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि अपनी जड़ों और पारंपरिक मूल्यों को भी सहेज कर रख रहे हैं।

संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन: रंगोली, चित्रकला और सुआ नृत्य

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई विभिन्न कलाएँ थीं, जिन्होंने हमारी संस्कृति की महक को हर कोने में फैला दिया:

1. आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता:

- LRCs के फर्श बच्चों की कलात्मकता का कैनवास बन गए थे। बच्चों ने अपनी छोटी-छोटी उंगलियों से विभिन्न रंगों का उपयोग करके सुंदर और पारंपरिक रंगोलियाँ बनाईं।
- किसी ने 'दीपक' तो किसी ने 'गणेश जी' और 'लक्ष्मी जी' के मनमोहक चित्र उकेरे। हर रंगोली शुभकामनाओं और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक थी। यह गतिविधि उन्हें टीम वर्क (मिलकर काम करना) और भारतीय कला के महत्व को सिखाती है।

2. कल्पनाशील चित्रकला (पेंटिंग) कार्यशाला:

- बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज़ पर उतारा।
- उन्होंने 'जलते दीये', 'पटाखों की रोशनी' और 'खुशियों से भरा परिवार' जैसे दीपावली से जुड़े दृश्यों को चित्रित किया।
- इसने न केवल उनकी कला कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें त्योहार के पर्यावरण-हितैषी महत्व को समझने में भी मदद की।

3. सुआ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

- बच्चों ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक नृत्य, सुआ नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।
- 'सुआ' जिसका अर्थ 'तोता' होता है, नृत्य के माध्यम से प्रकृति और नारी शक्ति के महत्व को दर्शाता है।
- बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में जब ताल और लय के साथ यह नृत्य किया, तो पूरा वातावरण सांस्कृतिक गौरव से भर गया। यह प्रस्तुति इस बात का प्रमाण थी कि ये बच्चे अपनी क्षेत्रीय संस्कृति को भी बखूबी जानते और मानते हैं।

प्रेरणा का स्रोत: क्यों यह आयोजन खास है?

यह आयोजन बाकी बच्चों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है क्योंकि:

जड़ों से जुड़ाव - इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने सीखा कि त्योहार का मतलब केवल मिठाई खाना या नए कपड़े पहनना नहीं है, बल्कि यह अपनी संस्कृति को समझने और उसे जीवित रखने का एक माध्यम है।

कला का महत्व : उन्हें यह प्रेरणा मिली कि कला (रंगोली, चित्रकला, नृत्य) केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह आत्म-अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और इससे हम अपनी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचा सकते हैं।

सकारात्मकता का संचार: दीये और रंगोली अंधेरे पर प्रकाश की जीत का प्रतीक हैं। यह आयोजन बच्चों को जीवन की हर चुनौती में आशा और सकारात्मकता का दीपक जलाने की सीख देता है।

'संकल्प एक प्रयास' के LRCs के बच्चों ने यह साबित कर दिया कि ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और संस्कृति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। उनका यह उत्साह और प्रयास निश्चित रूप से देश के कोने-कोने में शिक्षा प्राप्त कर रहे हर बच्चे के लिए एक प्रेरणादायी कहानी है।

संकल्प एक प्रयास संस्था ने 'सीख एवं सृजन' फेलोज़ को बांटे पिको प्रोजेक्टर

उतई (दुर्ग) - सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में कार्यरत " संकल्प एक प्रयास " संस्था के महत्वाकांक्षी 'सीख एवं सृजन' कार्यक्रम के पहले बैच के फेलोज़ को डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में पिको प्रोजेक्टर का वितरण किया गया।

यह वितरण कार्यक्रम संस्था के अंतर्गत आने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों को एक नई दिशा देने के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का सुचारु और सफल संचालन प्रोग्राम मैनेजर श्री अभिषेक सर ने किया।

शैक्षणिक गतिविधियों में डिजिटल तकनीक का उपयोग

इस अवसर पर फेलोज़ को प्रोजेक्टर के उपयोग और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि ये पिको प्रोजेक्टर ई-मर्ज एवं ई-उड़ान जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के तहत शैक्षणिक गतिविधियों और डिजिटल शिक्षा के संचालन में सहायक सिद्ध होंगे। यह उपकरण कक्षाओं को अधिक इंटरैक्टिव और रुचिकर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुरक्षित उपयोग का आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान, सभी फेलोज़ ने संस्था को यह आश्वासन दिया कि वे वितरित किए गए उपकरणों का उपयोग केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए करेंगे। साथ ही, उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का वचन दिया कि प्रोजेक्टर को संगठन के नियमों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार पूर्ण सुरक्षित रूप से रखा जाएगा। संस्था का मानना है कि इस पहल से दूर-दराज के क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा पहुंचाना संभव होगा।

हमरे सहयोगी संस्थाएं

SANKALP EK PRAYAS

SOCIETY, BHILAI

Sankalp ek prayas, Virat Nagar, Utai, Durg (C.G.)

Email : sankalpekprayas@gmail | Web : www.sankalpekprayas.org

Follow us on : @SankalpEkPrayas-s4i @SANKALPEK_PRAYAS